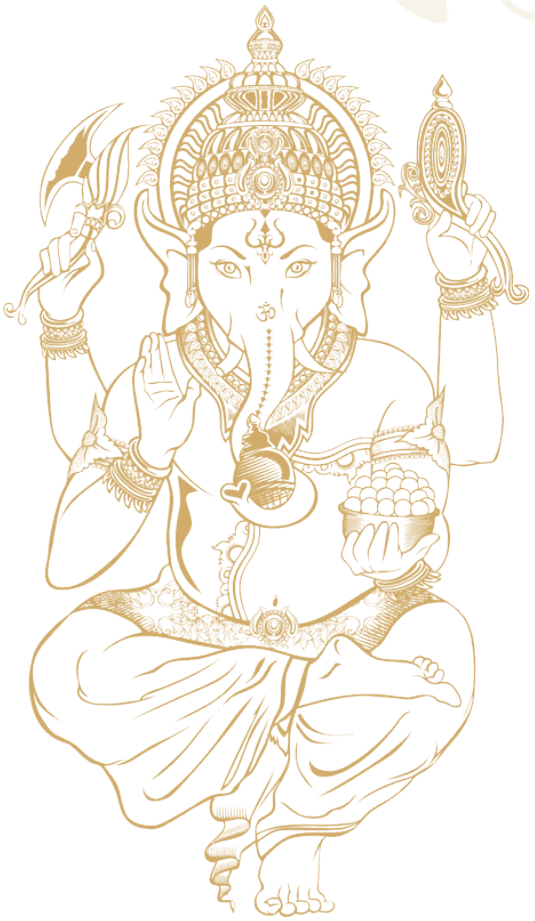

Mr. Lakshit

Ms. Dhanshri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120244005

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19-20/10/1994	जन्म तिथि	11-12/05/2001
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 01:55:44	जन्म समय	01:32:00 घंटे
घटी 48:48:32	जन्म समय(घटी)	49:57:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:19	सूर्योदय	05:33:08
17:47:46	सूर्यास्त	19:02:18
23:47:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:16

विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 9मा 9दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 13वर्ष 2मा 1दि	
चन्द्र		02:45:54	सिंह	लग्न	कुंभ	04:42:47	चन्द्र	
29/07/2024		02:26:05	तुला	सूर्य	मेष	27:18:16	12/07/2020	
30/07/2034		06:08:31	मेष	चंद्र	धनु	17:53:13	13/07/2030	
चन्द्र	29/05/2025	14:29:50	कर्क	मंगल व	धनु	05:10:41	चन्द्र	13/05/2021
मंगल	28/12/2025	05:29:47	तुला व	बुध	वृष	16:07:25	मंगल	12/12/2021
राहु	29/06/2027	25:07:46	तुला	गुरु	वृष	21:58:17	राहु	13/06/2023
गुरु	28/10/2028	23:20:38	तुला व	शुक्र	मीन	15:15:47	गुरु	12/10/2024
शनि	30/05/2030	12:15:08	कुंभ व	शनि	वृष	08:43:24	शनि	13/05/2026
बुध	29/10/2031	20:59:27	तुला व	राहु	मिथु	13:17:25	बुध	12/10/2027
केतु	29/05/2032	20:59:27	मेष व	केतु	धनु	13:17:25	केतु	12/05/2028
शुक्र	28/01/2034	28:44:08	धनु	हर्ष	कुंभ	00:50:12	शुक्र	11/01/2030
सूर्य	30/07/2034	26:52:06	धनु	नेप व	मक	14:54:21	सूर्य	13/07/2030
		02:57:52	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	20:39:57		

लग्न-चलित

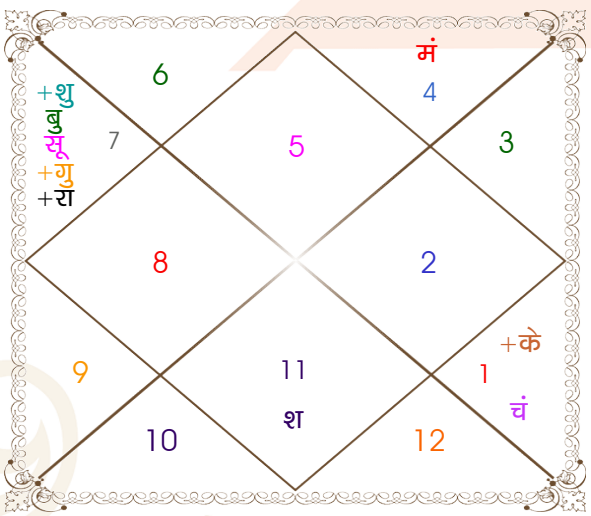

लग्न-चलित

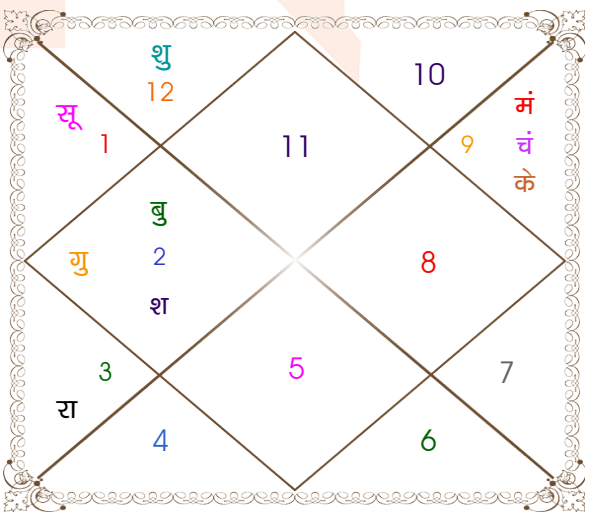

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Lakshit का वर्ग सिंह है तथा डेण कैंदीतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Lakshit और डेण कैंदीतप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Lakshit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Lakshit कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Lakshit कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण कैंदीतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण् क्वींदीतप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Lakshit तथा डेण् क्वींदीतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।